पर्यवेक्षण आख्या

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस,(मॉप–अप दिवस) एवं सहयोगात्मक क्षेत्रीय पर्यवेक्षण जनपद–गाज़ियाबाद

(National De worming Day and Supportive Supervision, District Ghaziabad)

पत्र संख्या एस0पी0एम0यू0/एन0एच0एम0/एम0 एण्ड ई0 /2017–18/18 11376–2–8, दिनांक 05.02.2018 को मिशन निदेशक द्वारा दिये गये आदेश के क्रम में नेशनल डी वार्मिंग डे के सफल क्रियान्वन एवं क्षेत्रीय पर्यवेक्षण हेतु टीम द्वारा दिनांक 15–17 फरवरी 2018 तक जनपद गाज़ियाबाद में भ्रमण किया गया।

राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई के एम0 एण्ड ई0 अनुभाग द्वारा उपलब्ध कराये गये फॉरमेट पर्यवेक्षण भ्रमण के दौरान टीम के सदस्यों द्वारा भरे गये जो इस पर्यवेक्षण आख्या के साथ संलग्न है।

टीम के सदस्यः–

1. *डा0 हरिओम दीक्षित– महाप्रबन्धक, आर0बी0एस0के0/आर0के0एस0के0*
2. *प्रभाकर शाक्या– तकनीकी सलाहकार, (एम0आई0एस0) एस0पी0एम0यू0/एन0एच0एम0*
3. *जमाल अहमद– कार्यक्रम समनव्यक, एस0पी0एम0यू0/एन0एच0एम0*

दिनांक 15.02.2018:–

सर्वप्रथम टीम द्वारा अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, गाज़ियाबाद से भेट कर, एक भ्रमण के उददेश्य से अवगत कराया गया। भ्रमण में राज्य स्तरीय टीम को सहयोग प्रदान करने हेतु श्री अनुराग भारती, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, गाज़ियाबाद, जिला सामुदायिक प्रक्रिया प्रबन्धक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुरादनगर के एच.ई.ओ. श्री संदीप भटनागर भ्रमण दल के साथ मौजूद थे। जैसा कि अवगत हैं कि जनपद के समस्त प्राथमिक, माध्यमिक एंव आंगनबाडी केन्द्रों पर दिनांक 10.02.2018 को राष्ट्रीय कृमि दिवस एवं दिनांक 15.02.2018 को मॉप–अप दिवस सत्र का आयोजन किया गया था, जिन पर 1–19 वर्ष के बच्चों को डी–वर्मिंग हेतु अलबेण्डाज़ोल की गोलीयां खिलायी जानी थी। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा प्रर्याप्त मात्रा में अलबेण्डाज़ोल टेबलेटस समस्त प्राथमिक, माध्यमिक एंव आंगनबाडी केन्द्रों पर उपलब्ध कराया जाना था एवं साथ

ही स्कूल के शिक्षकों एवं आंगनवाड़ी कार्यकत्रीयों को इस कार्यक्रम हेतु प्रशिक्षत भी करना भी प्रायोजित था।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस हेतु STAKEHOLDERS के रूप में स्वास्थ्य विभाग, बाल विकास (आई. सी.डी.एस.), स्कूल, शिक्षा विभाग एवं ग्रम प्रधानों द्वारा इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु प्रतिभाग किंया गया। प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों, आंगनवाड़ी कार्यकत्री एवं आशाओं द्वारा इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु योगदान दिया गया।

टीम द्वारा निम्न तालिका में वर्णित सत्रों का निरीक्षण किया गया, जहां दिये गये लक्ष्य के आधार पर बच्चों को गोलिया खिलाये जाने का कार्य किया जाना था। बैनर, पोस्टर,एवं हैण्डबिल्स आदि साम्रगी उपलब्ध थी।

टीम द्वारा निम्न तालिका में वर्णित सत्रों का निरीक्षण किया गया,

ब्लाक का नाम	**केन्द्र का नाम**
मुराद नगर	प्राथमिक विधालय सूठारी
	आगंनबाडी केन्द्र, सूठारी
	आगंनबाडी केन्द्र, सुराना–1 केन्द्र संख्या–0229
	आगंनबाडी केन्द्र, सुराना–2 केन्द्र संख्या–0228
	प्राथमिक विधालय सुराना–2 केन्द्र संख्या–09090305702
	प्राथमिक विधालय रावली कलां, केन्द्र संख्या–09090300102

निरीक्षण के अवश्यक बिन्दु एवं फीडबैकः–

1. प्राथमिक विधालय सूठारी पहुंचने पर पाया गया की शिक्षिका सुश्री रामेश्वरी यादव केन्द्र पर उपस्थित थीं, परन्तु किसी भी बच्चे को कृमि मुक्ति हेतु अलबेण्डाज़ोल की गोलीयां नहीं खिलायी जा रही थी। पूछने पर शिक्षिका द्वारा अवगत कराया गया कि अलबेण्डाज़ोल की गोलीयां अलमीरा में बन्द है और उसकी चाभी दूसरे शिक्षक के पास है जो उपस्थित नहीं थे।
   आगंनबाडी केन्द्र, सूठारी पर सुश्री बब्ली एवं सुश्री शशी प्रभा, कार्यकत्री मौजूद थी परन्तु मॉप–अप सत्र में छूटे हुए बच्चों को अलबेण्डाज़ोल की गोलीयां नहीं खिलायी जा रही थी। 75 बच्चों की लिस्ट बनी हुई मिली। बताया गया कि उनहें अलबेण्डाज़ोल की गोलीयां प्राप्त नहीं करायी गई हैं। भ्रमण दल द्वारा एच.ई.ओ. श्री संदीप भटनागर को अलबेण्डाज़ोल की गोलीयां उपलब्ध करा कर सभी छूटे हुये बच्चों को खिलाने का सुझाव दिया गया।

2. आगंनबाडी केन्द्र सुराना–1 पर सुश्री सुषमा, कार्यकत्री मौजूद थी उसके सहयोग हेतु आशा भी मौजूद थी। टीम के पहुंचने तक इस केन्द्र पर छूटे 15 बच्चों को दवा खिलाया गया था। दिनांक 10.02.2018 को 60 बच्चों को दवा खिलाया गया था। 75 बच्चों की लिस्ट बनी हुई मिली।
3. आगंनबाडी केन्द्र सुराना–2 पर सुश्री मंजू शर्मा, कार्यकत्री मौजूद थी उसके सहयोग हेतु आशा भी मौजूद थी। टीम के पहुंचने तक इस केन्द्र पर छूटे 20 बच्चों को दवा खिलाया गया था। दिनांक 10. 02.2018 को 70 बच्चों को दवा खिलाया गया था। 90 बच्चों की लिस्ट बनी हुई मिली।
4. प्राथमिक विधालय सुराना पहुंचने पर शिक्षिका सुश्री अंजूलता उपस्थित थीं, विधालय में कुल नामांकित 71 बच्चों को दिनांक 10.02.2018 को को दवा खिलाया गया था। विद्यालय के बच्चों को कृमि नियंत्रण सम्बन्धी स्वास्थ्य शिक्षा दी गई थी। बच्चों को इसकी जानकारी थी।
5. प्राथमिक विधालय रावली कलां पर शिक्षिका सुश्री अंजूलता उपस्थित थीं, उनके द्वारा अवगत कराया गया कि विधालय में कुल नामांकित 71 बच्चे हैं। परन्तु मॉप–अप सत्र में छूटे हुए बच्चों को अलबेण्डाज़ोल की गोलीयां नहीं खिलायी जा रही थी। उनके द्वारा बताया गया कि अलबेण्डाज़ोल की गोलीयां अलमीरा में बन्द है और उसकी चाभी हेड मास्टर श्री प्रदीप यादव के पास है जो छुट्टी पर हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मुरादनगर

24x7(FRU)

भ्रमण दिनांक–15.02.2018

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मुरादनगर, जनपद मुख्यालय से लगभग 13 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। जो लगभग 2 लाख की आबादी को कवर कर रहा है। दिनांक 15.02.2018 को टीम द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मुरादनगर का भ्रमण अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डा0 सूर्यांशु ओझा के साथ किया गया।

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मुरादनगर, सरकारी भवन में क्रियाशील है। स्टाफ पर्याप्त संख्या में कार्यरत एवं उपलब्ध थे। चिकित्सालय परिसर से लगे अधिकरियों/कर्मियों हेतु रहने योग्य आवास उपलब्ध हैं।
- परिसर में सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पायी गई।
- 24X7 पानी की व्यवस्था उपलब्ध थी, स्वच्छ पेयजल हेतु फिल्टर/आर0ओ0/वाटर कूलर की व्यवस्था की गयी है।
- चिकित्सालय परिसर में ई०डी०एल०लिस्ट (Essential Drug List) लगी हुयी थी ।
- इमरजेंसी ड्यूटी रोस्टर भी Display किया गया है।

- बिजली की उचित व्यवस्था थी एवं बिजली के ना रहने पर जनरेटर की सुविधा उपलब्ध है।
- वेटिंग एरिया में भी स्वास्थ्य संबन्धि प्रचार–प्रसार Display किया गया है। वहां पर लगे एल0सी0डी0 स्क्रीन भी क्रियाशील था। मरीज़ों के सुविधा हेतु टोकन सिस्टम की व्यवस्था की गई है एवं अपनी बारी आने तक बैठने की उचित व्यवस्था की गई है।
- लेबर रूम में "न्यू बोर्न केयर कार्नर" में रेडियंट वार्मर क्रियाशील था। लेबर रूम में प्रोटोकॉल पोस्टर पदर्शित थे। लेबर रूम में आटोक्लेव (Autoclave) भी कार्य कर रहा था । स्टेरलाईजड़ डिलीवरी सेट उपलब्ध थे। पार्टोग्राफ का प्रयोग किया जा रहा है।

- चिकित्सालय प्रांगण में अग्निशामक की व्यवस्था की गई थी परन्तु उस पर Expiry/Refilling की तिथि अंकित नहीं किया गया था। इसके लिये चिकित्सा अधिक्षक को सुझाव दिया गया।

- वार्ड में भर्ती प्रसूता को जे०एस०एस०के० के अंतर्गत निशुल्कः भोजन एवं औषधि उपलब्ध करायी जा रही थी, सफाई व्यवस्था उत्तम थी। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को दिये जा रहे भोजन एव नाश्ते का विवरण निर्धारित प्रारुप/अभिलेख के रुप में उपलब्ध कराया जा रहा है।

- डिस्चार्ज से पहले नवजात बच्चों को बी०सी०जी०, ओ0पी0भी0 एवं हेपेटाइटिस बी की जन्म वाली खुराक दी जा रही है ।

- आई0ई0सी0 के तहत पी.एन.सी. वार्डों में दिवार लेखन कराया गया है और एच.बी.एन.सी. प्रोटोकाल पोस्टर भी उपलब्ध थे। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं का लेखन भी कराया गया है।

- चिकित्सालय के सभी कक्ष में Colour Coded, Bio Medical Waste bins रखा गया है।

- JSY लाभार्थी एवं आशा इन्सेन्टिव का भुगतान किया जा रहा था।

- लेबर रूम/डाईट/ए0एन0सी0 रजिस्टर उपलब्ध थे एवं उनमें अंकन कार्य किया जा रहा था।

- चिकित्सालय में स्थित प्रयोगशाला की स्थिति अच्छी पायी गयी। जगह की उचित व्यवस्था की गई है। रोगियों से जांच के लिये गये Sample रखने, जांच करने, मरीज़ों के बैठने की उचित व्यवस्था की गई है। प्रयोगशाला में उपलब्ध जांच सुविधा की जानकारी तथा मिलने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं का लेखन भी कराया गया है।

- **<u>औषधि स्टोर</u>** – औषधि का भण्डारण व्यवस्थित ढंग से किया जा रहा है तथा औषधि की सूची प्रदर्शित किया गया था।
-

<u>कोल्ड चेन:</u> कोल्ड चेन कक्ष में प्रोटोकॉल पोस्टर प्रदर्शित थे, Deep Freezer में आईस पैक प्रोटोकॉल पोस्टर में प्रदर्शित तरिकों से लगाये गये थे, तापमान नियमित रूप से Maintain किया जा रहा है।

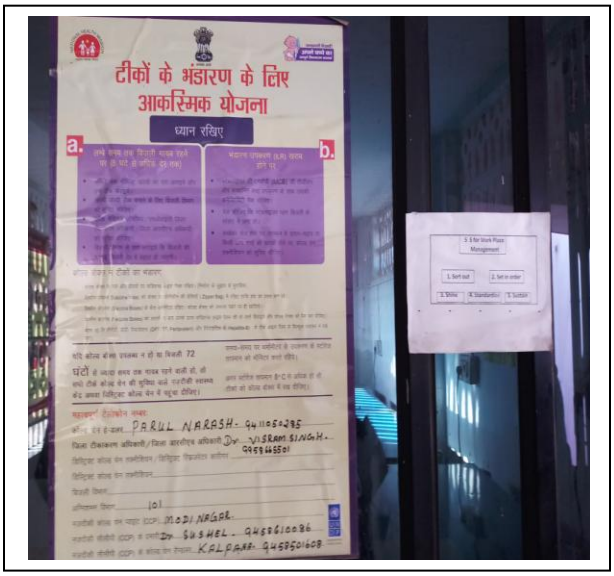

जिला महिला चिकित्सालय, गाज़ियाबाद

16.02.2018

दिनांक 16.02.2018 को मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका डा0 दीपा त्यागी, से औपचारिक भेंट के उपरान्त टीम द्वारा जिला महिला चिकित्सालय का भ्रमण किया गया। चिकित्सालय के विभिन्न अनुभागों के पर्यवेक्षण के उपरान्त निम्नवत आख्या से अवगत होना चाहें–

बाह्य रोगी विभाग (ओ0पी0डी0)–

- बाह्य रोगी विभाग (ओ0पी0डी0) भवन की स्थिति उत्तम थी एवं प्रांगण की सफाई व्यवस्था ठीक थी,
- चिकित्सालय में उपचार कराने हेतु उपस्थित महिला रोगियों की संख्या अधिक थी वो सब डाक्टर से उपचार कराने के लिये अपनी बारी आने के इन्तेजार में लाईन में खड़ी थीं। उनके बैठने हेतु ओ0पी0डी0 प्रांगण में समुचित व्यवस्था की गई थी।
- ओ0पी0डी0 प्रांगण में स्वास्थ्य सम्बन्धि प्रचार प्रसार सामग्री उपलब्ध थी।
- हाथ धोने के लिये तरल साबुन एवं तौलिया ओ0पी0डी0 कमरे में रखे गये थे एवं हाथ धोने वाले स्थान पर हैण्ड वॉश प्रोटोकॉल पोस्टर लगाया गया था।
- कई जगहों पर Bio Medical Waste bins रखा गया था।

- चिकित्सालय के प्रांगण में Citizen Charter प्रदर्शित किया गया था।
- सुझाव/शिकायत पेटिका लगाया गया था।
- चिकित्सालय प्रांगण में अग्निशामक की व्यवस्था की गई थी एवं उस पर Expiry/Refilling की तिथि भी अंकित किया गया था। चिकित्सालय में Zone wise आग लगने की स्थिति में अलार्म सिस्टम का भी यंत्र लगाय गया है।

<u>प्रसव कक्ष/ओ.टी.एवं वार्ड</u>–

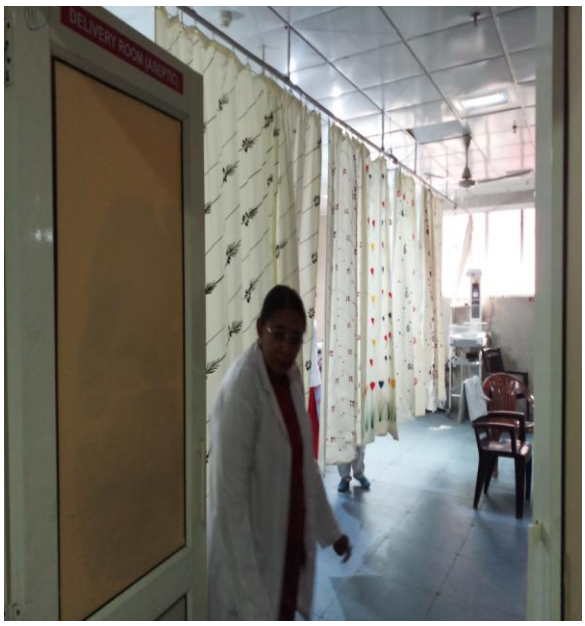

- प्रसव/इमरजेंसी कक्ष में प्रसव मेज Partition/Screen के साथ उपलब्ध थे।
- प्रसव कक्ष में Protocol Poster, Display किये गये थे।
- Colour Coded, Bio Medical Waste bins रखा गया था।
-

- सफाई की व्यवस्था अच्छी थी। वहां कार्यरत डाक्टर्स/स्टाफ नर्स को लेबर रूम प्रोटोकॉल /सेफ्टी प्रोटोकॉल एवं इंफेक्सन कन्ट्रॉल की जानकारी थी।

- प्रसव कक्ष में Wash Basin के पास Hand Wash Protocol Poster, Display किया गया था एवं एलबो टाईप नलका लगा था साथ ही वहां पर Liquid Soap भी रखा पाया गया।

- प्रसव कक्ष के पास ही वार्ड स्थित है जिसमें गर्भवती महिलाओं एवं शिशुओं के रुकने की व्यवस्था है। पीने के पानी का भी उचित व्यवस्था की गयी है। डाईट मानकानुसार दिया जा रहा था। डाईट रजिस्टर उपलब्ध था एवं उस पर अंकन किया जा रहा था।
- New born Care Corne प्रसव कक्ष के पास वाले कमरे में स्थित था
- स्तनपान कराने हेतु एन.बी.एस.यू. मे ही अलग कमरा बनाया गया है
- प्रसव कक्ष में आवश्यक ट्रे रखे गये थे एवं वहां कार्यरत स्टाफ नर्स को लेबर रूम प्रोटोकॉल /सेफ्टी प्रोटोकॉल एवं इंफेक्सन कन्ट्रॉल की जानकारी थी।

- ओ.टी. में हब कटर मौजूद था एवं काम कर रहा था। हाथ धोने के लिये तरल साबुन एवं तौलिया कक्ष में रखा गया था एवं हाथ धोने वाले स्थान पर हैण्ड वॉश प्रोटोकॉल पोस्टर पाया गया।
- Vit KI प्रसव कक्ष के बजाय SNCU में रखा था तथा वहां की Staff Nurse द्वारा सभी नवजात शिशुओं को Vit KI दिया जा रहा था ।

- सामान्य प्रसव वाले सभी लाभार्थी 48 घन्टे तथा C-Section वाले 6–7 दिनों तक चिकित्सालय में चिकित्सकों की देखरेख में रह रहे हैं।

- JSY लाभार्थी को भुगतान PFMS के माध्यम से उनके खाते में किया जा रहा है।

एस.एन.सी.यू –

- एस.एन.सी.यू. ओ.पी.डी. ब्लाक के निकट स्थित है, एवं के अनुसार क्रियाशील है। 12 शैया वाले एस.एन.सी.यू. में 8 नौजात शिशुओं को रखा गया था।
- वहां कार्यरत स्टाफ नर्स को एस.एन.सी.यू. प्रोटोकॉल /सेफ्टी प्रोटोकॉल एवं इंफेक्सन कन्ट्रॉल की जानकारी थी।
- सफाई की व्यवस्था अच्छी थी। वहां कार्यरत स्टाफ नर्स को एस.एन.सी.यू. प्रोटोकॉल /सेफ्टी प्रोटोकॉल एवं इंफेक्सन कन्ट्रॉल की जानकारी थी।
- कंगारू मदर केयर प्रोटोकॉल लगे थे।

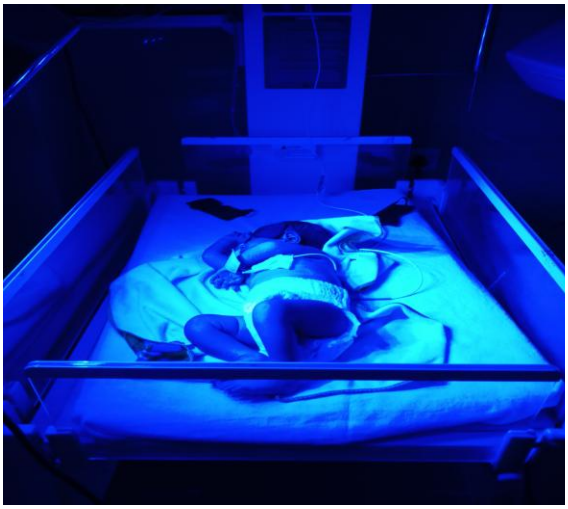

- **औषधि स्टोर** – औषधि का भण्डारण ठीक प्रकार से किया जा रहा था एवं व्यवस्थित था साथ ही औषधि की सूची भी प्रदर्शित किया गया था।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, डासना

(Non-FRU)

भ्रमण दिनांक–16.02.2018

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, डासना, जनपद मुख्यालय से लगभग 10 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। जो लगभग 2.5 लाख की आबादी को सेवा प्रदान कर रहा है। दिनांक 16.02.2018 को टीम द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, डासना का भ्रमण किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, डासना के इंचार्ज से औपचारिक विचार विमर्श के उपरान्त चिकित्सालय का भ्रमण किया गया।

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, डासना, सरकारी भवन में क्रियाशील है। स्टाफ की कमी महसूस की गयी।
- परिसर में सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पायी गई।
- 24X7 पानी की व्यवस्था उपलब्ध थी, स्वच्छ पेयजल हेतु फिल्टर/आर0ओ0/वाटर कूलर की व्यवस्था की गयी है।

- चिकित्सालय परिसर में Drug List लगी हुयी थी दवाईयों की उपलब्धता दर्शाई गयी थी, टीम द्वारा सुझाव दिया गया कि इसे दिनांक वार परदर्शित की जाये। साथ ही Citizen Charter को Maintain करने का सुझाव दी गई।
- बिजली की उचित व्यवस्था थी एवं बिजली के ना रहने पर जनरेटर की सुविधा उपलब्ध है।
- Radiant Warmer क्रियाशील था
- लाभार्थी के भोजन हेतु उचित व्यवस्था की गई थी, लाभार्थी को मानकानुसार भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।
- दो प्रसव मेज़ के बीच पर्दे से Partition की उचित व्यवस्था थी,
- चिकित्सालय प्रांगण में अग्निशामक की व्यवस्था की गई थी परन्तु उस पर Expiry/Refilling की तिथि अंकित नहीं किया गया था। इसे Maintain करने के लिये सुझाव दिया गया।
- प्रसव कक्ष से Attached Toilet की सफाई संतोषजनक थी
- प्रसव कक्ष में रखी दवाईयों पर Label कर व्यवस्थित ढंग से रखी गई थी।
- ANC Register, maintain किया जा रहा है परन्तु Case Sheet मानकानुसार Maintain नहीं किया जा रहा था, जिसे Maintain करने का सुझाव दिया गया।
- चिकित्सालय के सभी कक्ष में Colour Coded, Bio Medical Waste bins रखा गया है।
- JSY लाभार्थी एवं आशा इन्सेन्टिव का भुगतान किया जा रहा था।
- लेबर रूम/ डाईट/ ए0एन0सी0 रजिस्टर उपलब्ध थे एवं उनमें अंकन कार्य किया जा रहा था।
- Lab Technician के पास सुरक्षा हेतु PPE (Personel Protection Equipment) उपलब्ध थ।
- Foetoscope उपलब्ध था।
- New born care corner प्रसव कक्ष के पास एक छोटे से कमरे में था वार्मर की स्थिति ठीक से नहीं थी। टीम द्वारा निर्देश दिये गये की वार्मर का ठीक प्रकार से पाजीसन किया जाये।

वी0एच0एन0डी0 (सामुदायिक गतिविधियां)
भ्रमण क्षेत्रः– सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, डासना (17.02.2018)

दिनांक 17.02.2018 को वी0एच0एन0डी0 (सामुदायिक गतिविधियां) के पर्यावेक्षण हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, डासना से प्लान प्राप्त कर गांव–मटियाला के आंगन बाड़ी केन्द्र–1 एवं गांव–कल्लु गढ़ी में सलमा के घर का दल द्वारा भ्रमण किया गया।

<u>पर्यवेक्षण के दौरान पाये गये अवलोकन बिन्दु निम्नलिखित है</u> –

गांव–मटियाला, आंगन बाड़ी केन्द्र–1

- वी0एच0एन0डी0, सत्र आंगन बाड़ी केन्द्र–1 में चल रहा था। जहां पर ए.एन.एम. एवं आशा उपस्थित थीं।
- वी0एच0एन0डी0 के दौरान ए.एन.एम. के पास लाल एवं काली थैली नही थी।
- प्रिन्टेड टैलीशीट एवं चेकलिस्ट मौजूद था।
- हब कटर (निडिल कटर) क्रियाशील अवस्था में मौजूद था
- टीकाकरण के उपरान्त लाभार्थीयों की आई.ई.सी. नही की जा रही थी।

- Hemoglobinometer नहीं था Blotting Paper द्वारा ही भ्इ किया जा रहा था। गर्भवती के पेशाब की जांच नहीं की जा रही थी।

महिला जिसका प्रसव घर पर हुआ थाः—सम्बन्धित क्षेत्र में किसी भी महिला का प्रसव घर पर नहीं हुआ था।

गर्भवती महिलाः— गर्भवती महिला के घर पर टीम द्वारा भ्रमण किया गया। महिला का पंजीकरण किया जा चुका था। आयरन की गोलियां उसे प्राप्त हो गयी थी। आवश्यक जांचें नियामानुसार की गयी थी। उसे सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों पर प्रसव कराये जाने के लाभ की जानकारी थी। Mother and Child Tracking Facilitation Center आये कॉल की उसे जानकारी नहीं थी चूंकि मोबईल फोन उसके पति के पास रहता है।

किशोरी— कुछ किशोरियों से भेंट की गयी उनहें किशोरियों हेतु की जा रहीं चिकित्सकीय सेवाओं के बारे मे जानकारी नहीं थी।

छः से 2 वर्ष की माता एवं धात्री से मिलने पर पता चला कि उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं एवं परिवार नियोजन की जानकारी है और वे जे.एस.वाई. का भी लाभ ले चुकी हैं उनके बच्चों का नियमित रूप से टीकारण भी हो रहा है। उसे ओ.आर.एस. के लाभ से सम्बन्धित जानकारी थी। उसके पास आयरन सीरप मौजूद नहीं था।

- प्राथमिक विद्यालय मटियाला, में टीम द्वारा भ्रमण किया गया। आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा विद्यालय का भ्रमण किया जा चुका था। आयरन फौलिक एसिड की नीली गोलियां विद्यालय के नोडल शिक्षक के पास पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है एवं प्रत्येक सोमवार को बच्चों को गोलियां खिलाई जाती हैं। इसकी पुष्टी छात्र एवं छात्राओं द्वारा भी की गई।

गांव—कल्लुगढ़ी, सलमा का घर

- वी0एच0एन0डी0, सत्र कल्लु के घर पर चल रहा था। जहां पर ए.एन.एम. एवं आशा उपस्थित थीं।
- वी0एच0एन0डी0 के दौरान ए.एन.एम. के पास लाल एवं काली थैली नही थी।
- प्रिन्टेड टैलीशीट एवं चेकलिस्ट मौजूद था।
- हब कटर (निडिल कटर) क्रियाशील अवस्था में मौजूद था
- टीकाकरण के उपरान्त लाभार्थीयों की आई.ई.सी. नही की जा रही थी।

महिला जिसका प्रसव घर पर हुआ थाः—सम्बन्धित क्षेत्र में एक महिला का प्रसव घर पर हुआ था। समय कम रहने के कारण उसे अस्पताल नहीं ले जाया जा सका था। प्रसव गांव की ही Traditional birth attendant द्वारा कराई गई थी। बाद में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डासना द्वारा Post-natal services दी गई।

गर्भवति महिलाः— गर्भवति महिला के घर पर टीम द्वारा भ्रमण किया गया। महिला का पंजीकरण किया जा चुका था। आयरन की गोलियां उसे प्राप्त हो गयी थी। आवश्यक जांचें नियामानुसार की गयी थी। उसे सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों पर प्रसव कराये जाने के लाभ की जानकारी थी। Mother and Child Tracking Facilitation Center आये कॉल की उसे जानकारी नहीं थी चूंकि मोबईल फोन उसके पति के पास रहता है।

किशोरी– कुछ किशोरियों से भेंट की गयी उनहें किशोरियों हेतु की जा रहीं चिकित्सकीय सेवाओं के बारे मे जानकारी नहीं थी।

छः से 2 वर्ष की माता एवं धात्री से मिलने पर पता चला कि उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं एवं परिवार नियोजन की जानकारी है और वे जे.एस.वाई. का भी लाभ ले चुकी हैं उनके बच्चों का नियमित रूप से टीकारण भी हो रहा है। उसे ओ.आर.एस. के लाभ से सम्बन्धित जानकारी थी। उसके पास आयरन सीरप मौजूद नहीं था।

महिला जिसका प्रसव स्वास्थ्य केन्द्र पर हुआ था– गांव कल्लु गढ़ी में सुश्री आयशा नाम की महिला जिसका प्रसव सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, डासना पर हुआ था मिलने पर पता चला कि उन्हें उन्हें स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा नियामानुसार सभी सुविधयें प्रदान की गई। प्रसव के दौरान निजता की व्यवस्थता केन्द्र पर उपलब्ध थी। स्वास्थ्य केन्द्र पर कार्यरत कर्मियों का व्यवहार ठीक था। प्रसव उपरान्त बच्चे का वज़न एवं टीकाकरण किया गया। औ वह स्वास्थ्य केन्द्र पर दी गई सुविधा से संतुष्ट थी।

किशोरी– कुछ किशोरियों से भेंट की गयी उनहें किशोरियों हेतु की जा रहीं चिकित्सकीय सेवाओं के बारे मे जानकारी नहीं थी।

छः से 2 वर्ष की माता एवं धात्री से मिलने पर पता चला कि उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं एवं परिवार नियोजन की जानकारी है और वे जे.एस.वाई. का भी लाभ ले चुकी हैं उनके बच्चों का नियमित रूप से टीकारण भी हो रहा है। उसे ओ.आर.एस. के लाभ से सम्बन्धित जानकारी थी। उसके पास आयरन सीरप मौजूद नहीं था।

महिला जिसका प्रसव स्वास्थ्य केन्द्र पर हुआ था– गांव कल्लु गढ़ी में सुश्री आयशा नाम की महिला जिसका प्रसव सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, डासना पर हुआ था मिलने पर पता चला कि उन्हें उन्हें स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा नियामानुसार सभी सुविधयें प्रदान की गई। प्रसव के दौरान निजता की व्यवस्थता केन्द्र पर उपलब्ध थी। स्वास्थ्य केन्द्र पर कार्यरत कर्मियों का व्यवहार ठीक था। प्रसव उपरान्त बच्चे का वज़न एवं टीकाकरण किया गया। औ वह स्वास्थ्य केन्द्र पर दी गई सुविधा से संतुष्ट थी।

जमाल अहमद	प्रभाकर शाक्या	डा0 हरिओम दीक्षित
कार्यक्रम समन्वयक,	तकनीकी सलाहकार	महाप्रबन्धक